vinetur

इंग्लैंड और वेल्स में डिजिटल आयु-प्रमाण से शराब पहचान धोखाधड़ी नहीं रुकेगी

विश्वसनीय प्रमाण-पत्रों की जांच करने पर खुदरा विक्रेता नकली कार्डों पर अंकुश लगा सकते हैं, क्योंकि स्क्रीनशॉट, कमजोर ऐप और एआई-संपादित दस्तावेज अब भी असुरक्षित हैं

बुधवार, 23 सितंबर 2026



इंग्लैंड और वेल्स में शराब बिक्री के लिए डिजिटल आयु-प्रमाण की ओर बढ़ना खुदरा विक्रेताओं द्वारा ग्राहकों की सत्यापन प्रक्रिया को बदल सकता है, लेकिन इससे अपने-आप पहचान-धोखाधड़ी खत्म होने की संभावना नहीं है. दुकानों, बारों, वाइन व्यापारियों और डिलीवरी सेवाओं के लिए यह बदलाव भौतिक नकली आईडी से जुड़ी कुछ समस्याओं को कम कर सकता है, लेकिन एआई-जनित या डिजिटल रूप से संशोधित दस्तावेजों से जुड़े नए जोखिम भी खोल सकता है.

यह बदलाव इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि आयु-जांच शराब बिक्री का नियमित हिस्सा है, खासकर उन व्यवसायों के लिए जो युवा ग्राहकों को सेवा देते हैं या ऑनलाइन काम करते हैं. ड्राइविंग लाइसेंस जैसे भौतिक दस्तावेज लंबे समय से पहचान का मुख्य साधन रहे हैं, और नकली या उधार लिए गए कार्ड कर्मचारियों के लिए एक परिचित समस्या रहे हैं. डिजिटल प्रणालियाँ तेज और अधिक मानकीकृत प्रक्रिया का वादा करती हैं. वे खुदरा विक्रेताओं को काउंटर पर सिर्फ दृश्य निरीक्षण पर निर्भर रहने के बजाय, वास्तविक समय में प्रमाण-पत्रों की प्रामाणिकता जांचने के औजार भी दे सकती हैं.

साथ ही, धोखाधड़ी विशेषज्ञों का कहना है कि खतरा खत्म नहीं हो रहा, बल्कि बदल रहा है. धोखाधड़ी-रोधी तकनीक बेचने वाली कंपनी Finovox द्वारा जारी नए शोध में पाया गया कि 11% ब्रिटिश लोगों ने कहा कि उन्होंने दस्तावेज़ धोखाधड़ी की थी. कंपनी ने कहा कि उत्तरदाताओं में से 67% ने एआई को उन मुख्य कारकों में से एक बताया, जो धोखाधड़ी को आसान बनाते हैं. जिन लोगों ने कहा कि उन्होंने दस्तावेज़ धोखाधड़ी की थी, उनमें 82% ने कहा कि वे सफल रहे. Finovox ने कहा कि ड्राइविंग लाइसेंस उन दस्तावेज़ों में शामिल थे जिन्हें जाली बनाया जा रहा था.

ये आंकड़े संकेत देते हैं कि समस्या पहले ही व्यापक है, लेकिन इन्हें सावधानी के साथ पढ़ना चाहिए. जिन सामग्रियों की समीक्षा की गई, उनमें सर्वेक्षण का नमूना आकार, फील्डवर्क की तारीखें या पूरी कार्यप्रणाली शामिल नहीं थी. कंपनी के निष्कर्ष सामान्य रूप से दस्तावेज़ धोखाधड़ी को कवर करते हैं, सिर्फ शराब खरीदने की कोशिशों को नहीं. फिर भी, शोध उस चिंता की ओर इशारा करता है जिसका खुदरा विक्रेता पहले से कई क्षेत्रों में सामना कर रहे हैं: ऐसे लोगों की बढ़ती संख्या एआई टूल्स तक पहुंच रखती है, जो जाली या छेड़छाड़ किए गए पहचान दस्तावेजों को अधिक विश्वसनीय दिखा सकते हैं.

शराब बेचने वालों के लिए इसका मतलब है कि डिजिटल आयु-प्रमाण कुछ समस्याएँ हल कर सकता है, लेकिन कुछ नई समस्याएँ भी पैदा कर सकता है. एक सुरक्षित प्रणाली के जरिए जारी और सत्यापित डिजिटल प्रमाण-पत्र, निम्न-गुणवत्ता वाले प्लास्टिक नकली या लाइसेंस की मुद्रित छवि की तुलना में कॉपी करना कठिन होता है. यदि कोई व्यापारी यह पुष्टि कर सके कि डेटा किसी विश्वसनीय स्रोत से आया है और उसमें कोई बदलाव नहीं किया गया है, तो यह प्रणाली व्यस्त शिफ्ट में कैशियर द्वारा किए गए त्वरित दृश्य निरीक्षण से बेहतर सुरक्षा दे सकती है.

लेकिन सुरक्षा का स्तर इस बात पर निर्भर करता है कि जांच कैसे की जाती है. यदि व्यवसाय स्क्रीनशॉट, फोन में सहेजी गई तस्वीरें या अप्रमाणित ऐप्स के माध्यम से दिखाए गए दस्तावेज स्वीकार करते हैं, तो जोखिम ऊंचा रह सकता है. एआई टूल अब तस्वीरें संपादित कर सकते हैं, जन्मतिथि बदल सकते हैं, पाठ में फेरबदल कर सकते हैं और कम तकनीकी कौशल के साथ यथार्थवादी दिखने वाले पहचान रिकॉर्ड बना सकते हैं. ऐसे माहौल में, एक कमजोर डिजिटल प्रक्रिया बस नकली आईडी के एक रूप को एक ज्यादा परिष्कृत डिजिटल संस्करण से बदल सकती है.

यह जोखिम उन परिस्थितियों में सबसे अधिक होने की संभावना है जहां आयु-जांच तेजी से या दूर से होती है. होम डिलीवरी ड्राइवर, सेल्फ-चेकआउट स्टेशन, अस्थायी इवेंट कर्मचारी और छोटे स्वतंत्र खुदरा विक्रेताओं के पास बड़े चेन जैसे समान सिस्टम या प्रशिक्षण नहीं हो सकता. यदि डिजिटल आयु-प्रमाण अधिक आम हो जाता है, तो व्यवसायों को यह जानना होगा कि वे किन प्रमाण-पत्रों पर भरोसा कर सकते हैं, चेतावनी के संकेत कैसे पहचानें, और कब बिक्री से इनकार करें. यदि कर्मचारियों से यह अपेक्षा की जाए कि वे स्पष्ट मार्गदर्शन के बिना भौतिक और डिजिटल, दोनों तरह के दस्तावेज़ों का आकलन करें, तो उन पर दबाव बढ़ सकता है, घट नहीं.

मुद्दा नाबालिगों द्वारा खरीद तक सीमित भी नहीं है. शराब खुदरा विक्रेता लगातार स्टोर, क्लिक-एंड-कलेक्ट और डिलीवरी चैनलों में काम कर रहे हैं. इसका मतलब है कि कोई ग्राहक पहले ऑनलाइन एक बार आयु सत्यापित कर सकता है और फिर खरीदारी कहीं और पूरी कर सकता है. यदि किसी भी चरण में कमजोरी हो, तो धोखाधड़ी फिर भी निकल सकती है. एक विश्वसनीय ढांचे के लिए इन चरणों में समान जांच के साथ-साथ व्यक्तिगत डेटा का सुरक्षित प्रबंधन भी जरूरी होगा.

धोखाधड़ी विशेषज्ञों का कहना है कि सबसे प्रभावी प्रणालियां संभवत: एक ही छवि या दस्तावेज पर निर्भर रहने के बजाय सत्यापन की कई परतों को जोड़ेंगी. इनमें विश्वसनीय जारीकर्ताओं के साथ मिलान, डिवाइस जांच, लाइवनेस टेस्ट और डिजिटल छेड़छाड़ के संकेतों का पता लगाने वाली प्रणालियां शामिल हो सकती हैं. खुदरा विक्रेताओं को मजबूत नियंत्रणों और गति व उपयोग में आसानी के बीच संतुलन भी बनाना होगा. यदि जांच बहुत धीमी या भ्रमित करने वाली हो, तो ग्राहक खरीदारी छोड़ सकते हैं या कर्मचारी प्रक्रिया को दरकिनार कर सकते हैं.

इंग्लैंड और वेल्स में डिजिटल आयु-प्रमाण के नियोजित उपयोग का समय तब आया है जब सरकारें और व्यवसाय सुरक्षा

कमजोर किए बिना पहचान-जांच को आधुनिक बनाने की कोशिश कर रहे हैं. डिजिटल प्रमाण-पत्रों के समर्थकों का कहना है कि वे आयु सत्यापन को अधिक सटीक और सुविधाजनक बना सकते हैं, खासकर उन युवाओं के लिए जो अपने फोन पर टिकट, भुगतान और यात्रा दस्तावेज संभालने के आदी हैं. आलोचकों का कहना है कि नई तकनीक सुरक्षा का झूठा अहसास पैदा कर सकती है, यदि उसके पीछे का सिस्टम मजबूत न हो.

ड्रिंक्स व्यापार के लिए व्यावहारिक सवाल यह नहीं है कि तकनीक आयु सत्यापन को बदलेगी या नहीं, बल्कि यह है कि वह किस तरह की धोखाधड़ी पीछे छोड़ेगी. यदि सुरक्षित डिजिटल प्रमाण-पत्र व्यापक रूप से अपनाए जाएँ और सही ढंग से जांचे जाएँ, तो पारंपरिक नकली आईडी कम उपयोगी हो सकती हैं. लेकिन यदि व्यवसाय साधारण ऑन-स्क्रीन डिस्प्ले या खराब रूप से सुरक्षित ऐप्स पर निर्भर करते हैं, तो धोखाधड़ी उसके अनुसार ढलने की संभावना है. उस स्थिति में, एआई पुराने मुद्दे को खत्म करने के बजाय उसे एक नए रूप में ले जाएगा, जहां जाली पहचानें नंगी आंखों से पहचानना कठिन होगा.

इससे खुदरा विक्रेताओं के सामने एक नए स्वरूप में वही पुरानी चुनौती रह जाती है. बिक्री अब भी कुछ ही सेकंड में लिए गए एक मूल निर्णय पर निर्भर करती है : क्या विक्रेता के सामने खड़ा व्यक्ति उम्र में पर्याप्त है, और क्या दिया गया प्रमाण भरोसेमंद है. जैसे-जैसे डिजिटल आयु-प्रमाण इंग्लैंड और वेल्स में शराब बिक्री तक पहुंच रहा है, जवाब इस बात पर कम निर्भर करेगा कि आईडी प्लास्टिक पर दिख रही है या फोन स्क्रीन पर, और इस बात पर ज्यादा कि उसके पीछे का सिस्टम तेजी से परिष्कृत हो रही धोखाधड़ी का सामना कर सकता है या नहीं.